(आई.टी. के विभिन्न साधन – मोबाइल, लैपटोप, टेबलेट, इंटरनेट कनेक्शन के बीच बातचीत)

मोबाइल:
मेरी महिमा है अपरंपार,
मैं हूँ जीवन का आधार।
मेरे बिना चले ना काम एक पल
मच जाये जीवन में हलचल
काम वाली बाई से मिनिस्टर तक
बच्चे, बुढे का मैं ही सहारा
युवा दिलों को सबसे प्यारा
दो दिलों को मिलाना हो या डालनी दिलों में दरार
मेरी महिमा है अपरंपार, मेरी महिमा है अपरंपार

लैपटोप:
मैं हूँ लेपटोप
सबमें हूँ टोप
मैंने है सबके दिलों में जगह बनाई
लोगों ने भारी भरकम फाइलों से मुक्ति पाई
घंटों का काम पल में निपटाता
संकल्प, समय, शक्ति को बचाता
इसलिए लोग करते मुझे पसंद
सफर में भी रखते अपने संग

टेबलेट:
अरे हट-हट, पुराने मॉडल,
अब तो मेरा ही जमाना है,
तेरा मॉडल तो बहुत पुराना है
मुझे ही सबसे आगे जाना है
नहीं मैं किसी बात में किसी से कम
तुम दोनों जितना है मुझमें दम।
ऐसा मैंने दुनिया में रंग जमाया है
विस्तार को जैसे सार में समाया है
नये दौर, नये जमाने की मैं पहचान हूँ
दिखने में भी स्लिम, स्मार्ट हूँ, इसलिए महान हूँ।
इंटरनेट कनेक्शन:
मेरे बिना तुममें से किसी का काम न चलता है
तुम्हें उपयोगी बनने के लिए मुझसे ही जुड़ना पड़ता है
मैं ज्ञान का भण्डार हूँ
मैं सबका सूत्रधार हूँ

मैं जीवन सरल बनाता हूँ
मैं इंटरनेट अवतार हूँ
आज दुनिया मेरी मुट्ठी में
महिमा में अपरंपार हूँ
मैं इंटरनेट अवतार हूँ
मैं इंटरनेट अवतार हूँ....

(योगी का प्रवेश)
योगी:
अरे, किस बात पर झगड़ रहे हो
क्यों व्यर्थ ही एक-दो पर बिगड़ रहे हो?

टेबलेट:
हे योगी श्रेष्ठ,
हमारी समस्या का करो समाधान
बताओ, कौन है हममे सबसे महान
जिसने बनाया काम को आसान

योगी (मोबाइल से)-
निश्चित ही तुमने मीलों की दूरी मिटाई है
और दुनिया जैसे मुट्ठी में सिमट आई है
पर नहीं किसी काम के तुम बिना टावर के
और ना ही तुम चल सकते हो बिना पावर के
कभी भी खत्म हो सकता तेरा खेल है
इसलिए बिना टावर और पावर के तू बिल्कुल फेल है
परमात्मा जिसका टावर है
पवित्रता जिसकी पावर है
ऐसी पावर से जो अपने मन को शक्तिशाली बनायेगा
उसका शक्तिशाली मन ही एक मोबाइल बन जायेगा
सुख-शांति के प्रकंपन वो हर आत्मा तक पहुँचायेगा
अंत में ऐसा मन रूपी मोबाइल ही काम आयेगा।

(लैपटोप से)
नाम तेरा लैपटोप है
तुझे लैप में जो रखता
समझता वो खुद को टोप है

माना कि तू समय को बचा सकता है
पर क्या व्यर्थ को समर्थ बना सकता है?
नहीं-नहीं, तुझे तो नहीं इसकी कुछ पहचान है
तू किसी को महान बना सके, तभी तो तू महान है
कर लो एक ऐसे लैपटोप की पहचान
जो जीवन को सचमुच बना देता है महान
परमात्म प्यार की गोद में समा जाओ
ये लैप सबसे टॉप है,
पल-पल सफल हो जायेगा,
इसमें व्यर्थ का ना कोई स्कोप है

(टेबलेट से)-
टेबलेट, सचमुच तेरी शान निराली है
जितना तू छोटा है, उतना ही शक्तिशाली है
अगर वही शक्तिशाली है
जिसका छोटा आकार है
तो फिर सबसे शक्तिशाली रूप तो निराकार है
टेबलेट सा स्वरूप है
आत्मा बिंदु रूप है
सर्वशक्तियों का सिंधु
इस बिंदु में पाया है
बिंदु रूपी टेबलेट में
सुख का सार समाया है

(इंटरनेट कनेक्शन से)
माना इस कलियुग में तुम
सूचना का भण्डार हो
तुम इंटरनेट अवतार हो
तुमसे जुड़कर मानव
खुद को जगत से जुड़ा पाता है
पर वायरस के खतरों से भी
नहीं बचा रह पाता है
तुम्हारी दुनिया में वह इतना मगन हो जाता है
कि उस जगतपिता से संबंध टूटता जाता है
सबको प्रभु से जोड़ने का
अब कर्त्तव्य निभाओ तुम
उस सुप्रीम सर्वर का
आई.पी. एड्रेस बन जाओ तुम

प्रेम, एकता का जब दिलों में इंटरनेट बन जायेगा
मन से मन के तार जुड़ेंगे, मानव देव कहलायेगा।

अंत में सभी मिलकर
आओ हम सब मिलकर, एक सुखमय संसार बनायें
साधन नहीं, साधना को जीवन का आधार बनायें
एक पिता के बच्चे हम, जग को एक परिवार बनायें
मिलकर सुखमय संसार बनायें
मिलकर सुखमय संसार बनायें .....

(वन गॉड, वन वर्ल्ड फैमिली...)